श्रेष्ठ समाज के लिए नैतिक, आध्यात्मिक एवं मानव मूल्य प्रेरित

शिक्षा दर्पण

शिक्षा प्रभाग की त्रैमासिक समाचार पत्रिका | फरवरी - 2017 | ब्रह्माकुमारीज़, माउण्ट आबू (राज.)

1. शान्तिवन में आयोजित अखिल भारतीय उच्च माध्यमिक शिक्षकों के महासम्मेलन का दीप प्रज्ज्वलित कर उद्घाटन करते हुए मिजोरम के राज्यपाल लेफ्टिनेट जनरल (सेवानिवृत्त) श्री निर्भय शर्मा जी, दादी रतनमोहिनी, राजयोगिनी ब्र.कु. राज दीदी, ब्र.कु. मृत्युंजय, डॉ. ब्र.कु. हरीश शुक्ल, प्रो. उमा शंकर शर्मा, डॉ. ब्र.कु. पांड्यामणि, डॉ. आर.पी. गुप्ता तथा अन्य।

2. शान्तिवन में आयोजित 37वाँ अखिल भारतीय बाल व्यक्तित्व विकास शिविर का उद्घाटन करते हुए दादी रतनमोहिनी जी, ब्र.कु. निर्वैर, ब्र.कु. मोहिनी, ब्र.कु. मुन्नी बहन, डॉ. ब्र.कु. पांड्यामणि, डॉ. ब्र.कु. हरीश शुक्ल, डॉ. आर.पी. गुप्ता, डॉ. ब्र.कु. ममता, श्री सुरेश सिंदल तथा अन्य।

श्रेष्ठ समाज के लिए नैतिक, आध्यात्मिक एवं मानव मूल्य प्रेरित

शिक्षा दर्पण

शिक्षा प्रभाग की त्रैमासिक समाचार पत्रिका | फरवरी - 2017 | ब्रह्माकुमारीज़, माउण्ट आबू (राज.)

1. शान्तिवन में आयोजित अखिल भारतीय उच्च माध्यमिक शिक्षकों के महासम्मेलन का दीप प्रज्ज्वलित कर उद्घाटन करते हुए मिजोरम के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) श्री निर्भय शर्मा जी, दादी रतनमोहिनी, राजयोगिनी ब्र.कु. राज दीदी, ब्र.कु. मृत्युंजय, डॉ. ब्र.कु. हरीश शुक्ल, प्रो. उमा शंकर शर्मा, डॉ. ब्र.कु. पांड्यामणि, डॉ. आर.पी. गुप्ता तथा अन्य।

2. शान्तिवन में आयोजित 37वाँ अखिल भारतीय बाल व्यक्तित्व विकास शिविर का उद्घाटन करते हुए दादी रतनमोहिनी जी, ब्र.कु. निर्वैर, ब्र.कु. मोहिनी, ब्र.कु. मुन्नी बहन, डॉ. ब्र.कु. पांड्यामणि, डॉ. ब्र.कु. हरीश शुक्ल, डॉ. आर.पी. गुप्ता, डॉ. ब्र.कु. ममता, श्री सुरेश सिंदल तथा अन्य।

परामर्श दाता

राजयोगी ब्र.कु. निर्वैर जी
महासचिव, ब्रह्माकुमारीज़ एवं अध्यक्ष, शिक्षा प्रभाग

राजयोगी ब्र.कु. मृत्युंजय जी
कार्यकारी सचिव, ब्रह्माकुमारीज़ एवं उपाध्यक्ष, शिक्षा प्रभाग

राजयोगिनी ब्र.कु. शीलू बहन जी
मुख्यालय संयोजिका, शिक्षा प्रभाग

प्रधान सम्पादक

राजयोगी डॉ. ब्र.कु. हरीश शुक्ल जी
राष्ट्रीय संयोजक, शिक्षा प्रभाग

सम्पादक मण्डल

ब्र.कु. सुन्दरलाल जी, हरिनगर, दिल्ली
ब्र.कु. प्रो. एम.के. कोहली, गुड़गाँव
डॉ. ब्र.कु. ममता शर्मा, मेहसाना

प्रकाशक

एज्यूकेशन विंग (R.E. & R.F.)
एवं ब्रह्माकुमारीज़

प्रकाशन

ओमशान्ति प्रिंटिंग प्रेस, शान्तिवन, आबू रोड

डिजाइनिंग सेटिंग

ब्र.कु. चुनेश
वैल्यू एज्यूकेशन ऑफिस, शान्तिवन, आबू रोड

अमृत सूची

- **सम्पादकीय** : तमसो मा ज्योतिर्गमय...
- *Report of All India Senior Secondary Teachers' Conference on*
  Healthy & Happy Society through Value Education and Spirituality
- *Report of The University & College Educators' Conference on*
  Values and Spirituality for Excellence in Life
- नौनिहालों को मिली जीवन जीने की शिक्षा
- विभिन्न स्थानों पर हुई शिक्षा प्रभाग की सेवाओं की झलकियां

निवेदन

शिक्षा प्रभाग के सेवा समाचार फोटो सहित तथा स्व-रचित कविता, गीत, लेख इत्यादि वैल्यू एज्युकेशन सेंटर, आनंद भवन, शान्तिवन, आबू रोड के पते पर भेजकर अपना सहयोग प्रदान करें।

E-mail: shikshadarpan@bkivv.org
Mobile No.: +91 94276-38887 / +91 94140 -03961 / +91 94263-44040

डॉ. ब्र.कु. हरीश शुक्ल
राष्ट्रीय संयोजक, शिक्षा प्रभाग, सुखशान्ति भवन (अहमदाबाद)

सम्पादकीय

डॉ. ब्र.कु. हरीश शुक्ल
राष्ट्रीय संयोजक, शिक्षा प्रभाग, ब्रह्माकुमारीज़

तमसो मा ज्योर्तिगमय...

समग्र विश्व पर दृष्टिपात करने पर एक बात सभी जगह एक समान है। समग्र विश्व के विचारकों ने विश्व को सुंदर व व्यक्तियों को सम्पूर्ण बनाने के लिए एक ही आवाज में मिलकर जिन बातों का समर्थन किया है, वह है- मूल्य।

मूल्यों का सम्बन्ध हमारे विवेक से है। यह वही विवेक है जिसने हमारी संस्कृति और इतिहास की रचना की है। जिसका विवेक जागृत है, वह व्यक्ति विश्व की महान आत्मा की कोटि में है। आज तक जितने भी लोग महान हुए हैं या पूज्यनीय हैं, वे सभी अपने विवेक के आधार पर हुए हैं। उनका विवेक उनको मूल्यों की पहचान करना सिखाता है। मूल्यों की धारणा ही जीवन का मार्ग प्रशस्त करता है। जीवन वास्तविक रूप में हीरे समान बनता है। मूल्यों की धारणा न होने से जीवन कौडी समान बन जाता है। इतनी सरल बात बुद्धि में होने के बावजूद भी हम मूल्यों की धारणा में मेहनत का अनुभव करते हैं। यहाँ हमारा विवेक कुछ मध्यम हो जाता है। हमारी समझ या ज्ञान का स्तर निम्न हो जाता है। ऐसा इसलिए भी होता है कि हमारा मूल्यों के विषय में ज्ञान अधूरा है या नहीं के बराबर है। मानव जीवन में सम्पूर्णता इसलिए नहीं आ रही है कि हम भौतिकता के अतिशय प्रभाव में है। हम भौतिकता के प्रभाव से इतने अभिशप्त है कि चाहते हुए भी हम इससे दूर नहीं हो पा रहे हैं।

विश्व विचारकों की चिंता विश्व को एक व सुंदर बनाने की जायज है। इस दिशा में सम्मेलन, संगोष्ठियां इत्यादि आयोजित हो रही है। कुछ परिवर्तन के लिए सकारात्मक रूप से कार्य भी कर रहे हैं। संगोष्ठियों और सम्मेलनों में एक ही निष्कर्ष निकला है कि विश्व की आत्माओं का जीवन उत्तम बनाना है तो मूल्यों की शिक्षा आवश्यक है। परन्तु मूल्यों की शिक्षा देगा कौन? मूल्यों की शिक्षा देने के लिए एक ही दिशा में सभी की नजरें उठती हैं वह है- शिक्षक।

शिक्षक ही समाज का ऐसा व्यक्ति है जिसके पास अपार शक्तियां हैं। शिक्षक में लोग चरित्र निर्माण, भेदभावमुक्त दृष्टि व उदार हृदयवाला, प्रेम और स्नेह युक्त व्यवहार करने वाला, मूल्यों का सिंचन करने वाला, ज्ञानी हो ऐसी आशा से देखते हैं। शिक्षकों से ही समाज को एक आशा है। वह चाहे तो लोगों में विवेक जागृत कर सकता है। मूल्य प्रस्थापित कर सकता है।

वर्तमान समय भौतिकता के प्रभाव से हटकर कार्य करने वाला शिक्षक ही है। यह तो मानना होगा कि शिक्षक का व्यवसाय आज के तमोप्रधान वातावरण में भी सात्विक व पवित्र माना जाता है। शिक्षक को अपना मूल्य समझना चाहिए। समाज को जब-जब परिवर्तन की आवश्यकता हुई है, शिक्षकों का ही आह्वान हुआ है। शिक्षक ही निर्माण की प्रक्रिया में नींव का पत्थर बनकर धूरी के समान कार्य करता है। प्रत्येक शिक्षक को अपने महत्व को समझ सकारात्मक सोच के साथ कार्य करना है। परमपिता परमात्मा भी जब अर्जुन के दिशाहीन होने पर युद्ध भूमि में शिक्षक की भूमिका में परिवर्तित हो गये थे। यहाँ समाज के दिशाहीन अर्जुन को ज्ञान देने का कार्य करने वाले शिक्षकों को भी इसी भूमिका में आना है। परमात्मा की शिक्षा और साधना से आज फिर एक बार परिवर्तन के लिए शिक्षकों का ही आह्वान हुआ है। अपने मूल्यों को पहचानें, विवेक जागृत करते हुए सभी शिक्षकों को विश्व परिवर्तन के लिए एक साथ मिलकर, एकजुट होकर भौतिकता के अंधकार से आध्यात्मिकता की ओर ले जाने वाले दीपक की भांति अपने कर्तव्य का निर्वाह करना है। शिक्षक अमूल्य है। शिक्षक का स्तर ऊँचा है, ऊँचा ही रहेगा क्योंकि परमात्मा भी विश्व परिवर्तन के लिए शिक्षक की भूमिका का निर्वाह करते हुए ज्ञान दे रहा है। यह परमात्मा का कार्य है। परमात्म-पिता की प्रेम दृष्टि भी शिक्षकों पर ही है। आइए, आज सभी मिलकर फिर से एक बार परमात्मा की प्रेरणा व सान्निध्य में इस विश्व को अंधकार से प्रकाश की ओर ले जायें- **तमसो मा ज्योतिर्गमय...**

Report of All India Senior Secondary Teachers' Conference on

Healthy & Happy Society through Value Education and Spirituality

The All India Senior Secondary Teachers' Conference on "Healthy & Happy Society through Value Education and Spirituality" organized by Education Wing (RE & RF) and Prajapiata Brahma Kumaris Ishwariya Vishwa Vidyalaya which commenced in the evening of September 2, 2016 in the Diamond Hall of Shantivan, Talhati, Abu Road, Rajasthan, also concluded in the evening of September 4, as reported by **Dr. B.K. Yudhisthir.**

The conference included reception session, inaugural session, five open sessions and valedictory session with discussions and deliberations on different relevant sub-themes revolving around the major theme of **"Healthy & Happy Society through Value Education and Spirituality".**

The *reception session* started with the welcome of the revered guests and delegates with *bouquets and badges*, *song and dance* as well as *welcome speech*. Dr. **B.K Harish Shukla** welcomed the guests and delegates. The guests-speakers discussed elaborately on the thematic topic "Healthy & Happy Society through Value Education and Spirituality". **Dr. N.P.Kaushik**, Vice Chancellor, Rajasthan Technical University, Kota, said “We have to educate man, if we wish to make human life successful. Without education man is like an animal. Today's education has become irrelevant. The need at present is not to give and take education only but also to implement education in practical life. Brahma Kumaris' Value Education and Spirituality can fulfil this need.” **Shree T.D. Patel**, President, Om Shanti Vidya Sankul, Morbi, Gujarat, narrated about the effective practical steps he has taken in his school for educational improvement of children. **Shree Arvind Poswal**, SDM, Mt. Abu, stated that today the slogan “Let's Change Everything” is heard everywhere. But if any change is to be brought about that should be the change in thoughts. Only teachers can do this. The Brahma Kumaris are successful in bringing about this change.” **Dr. B.K. Nirmala**, Director, Gyan Sarovar, Mt. Abu, said, “Moral education has been an inalienable part of all religions and *Satsangas*. We all know that we should not become angry and violent, but we become so as we have no inner power. So we need *inner power* with along with education. The spiritual education and Rajyoga of Brahma Kumaris can endow this power.” **Shree Vinayak Dalvi**, former advisor to Maharashtra Governor and Director, College Development Council, Mumbai University, said, "After coming here I know that I cannot concentrate. Concentration is possible through Rajyoga meditation which helps in achieving concentration. That is why we have to conduct ourselves with the teachings of Brahma Kumaris

Organization (BKO). **Dr. Rajan Welukar**, Former Chancellor, Mumbai University, while highlighting the significance of the term "Om', stated, "Values and life are interrelated, and the term "Om" is linked with values and life." **Rajayogini B. K. Shielu**, Senior Rajayoga Teacher & Headquarter Co-ordinator, Education Wing, (RE&RF), said, "Science & Technology have done many miracles; but if spirituality is not aligned with them they may turn to be *curse* for the humanity. Spirituality means to know the self, God, aims of life, *Karma* philosophy and Time-Cycle. Our intellect decides what is vice and what is virtue, what to do and not to do. Spirituality perfects our intellect." Later, she rendered the experience of self-realization to all through her yoga commentary. **Dr. B. K. R. P. Gupta**, National Co-ordinator, Value Education & Spirituality Course, offered vote of thanks to all. **B.K. Suman**, Executive Member, Education Wing, Mt. Abu, handled the stage activities very skilfully.

In the *Inaugural Session* **Dr. B.K. Pandiamani**, Director, Distance Education Programme, welcomed the guests and said that now the value and spiritual education is being given in 11 languages to almost 16,000 students in 12 Indian universities and one foreign university. **Prof. Uma Shankar Sharma**, said, "BKO is the largest spiritual organization in the world in the field of spirituality, which is trying to transform man into deity." **B.K. Raj Didi**, Director, Brahma Kumaris, Kathmandu, Nepal, said, "There is a great decrease in the number of sacrifice and addiction cases of wine in Nepal due to the value and spiritual education of BKO." **B.K. Mruthyunjaya**, Vice-Chairperson, Education Wing, announced the new slogan of "Jaya Shikshak" along with the slogans of "Jaya Jawan" and "Jaya Kishan". He also said, "UNO is not the hope of mankind but God is. The teachers are also the hope of mankind. The Brahma Kumaris Institution aims at universal brotherhood, understanding, peace, enlightenment, empowerment, enrichment. He also appealed to the teachers to "Be Holy and Be Yogi" and sought their co-operation in these noble actions. **Mrs. Jyotsna Sharma**, spouse of Hon'ble Governor of Mizoram, told about her experience of how her ego melted down after coming in contact with the Brahma Kumaris. **Hon'ble Nirbhaya Sharma**, Governor of Mizoram, inaugurated the Conference by lighting the candle, and highlighted four points such as: (i) Purity in thoughts and actions; (ii) Knowledge; (iii) Peace of mind; (iv) Power; and said with these, the people and country will remain safe and secured. He heartily appreciated the touching spiritual way of his and his spouse's reception, and said the activities of Brahma Kumaris are found nowhere else, and appealed the teachers to co-operate with this institution to re-establish a healthy and happy society. **B.K. Narmada**, Centre-Incharge, Brahma Kumaris, Mizoram, offered the vote of thanks to all. In the five *Open Sessions* different speakers deliberated upon various sub-themes revolving around the major theme and highlighted the urgent need of value and spiritual education in re-establishing a healthy and happy society. **Prof. T.V. Kattimani,** Chancellor, Indira Gandhi National Tribal University, Amarkantak, (M.P.); **Shree S.P. Chauhan,** Navchetna Manch, Karnal, Haryana; **Prof. A. Kanagraj,** President, Jaya Group of Institutions, Chennai, were awarded with *Shiksha Vibhushan*. **M. Sujata Sadashiva Reddy** was honoured for her Ph.D. thesis [Gulbarga University, (Kar)] entitled "The Role of Brahma Kumaris in Eradicating Social Evils: A Sociological Study." "Small Acts of Goodness can make our life useful and bring a lot of happiness to the self and others." said **BK Shivika,** Executive Member, Education Wing, Mt. Abu during her presentation of the Project of 7 Billion Acts of Goodness.

In the *Valedictory Session*, **Kumari Vishwa Shree Das**, Nabarangapur, Odisha, initially welcomed the guests and teachers with her exquisite *Odishi* dance performance touching the artistic sensibility of all. **B.K. Harish**, Head Quarter Co-ordinator, Administrative

Wing, welcomed the teachers' community in his welcome speech. **B.K. Kiran**, Executive Member, Education Wing, Bhopal, while highlighting on the topic *The Role of Teachers in Building the Future of Bharat*, said, "Education is that that liberates. The teachers have a significant role to play in liberating the society from many evils. God is also playing now the role of Supreme Teacher through imparting of spiritual knowledge and Rajyoga education." **B.K. Leena**, Executive Member, Education Wing, Cuttack, rendered the experience of self-realization through her powerful yoga commentary and surcharged the atmosphere. **Dr. B.K. Yudhisthir,** Former Principal, Mudo Tamo Memorial College, Ziro, Arunachal Pradesh, read out the resolutions which the participants have to translate in their life: 1. As a child of God I will play my role as a perfect actor in this Eternal World Drama (EWD) of life. 2. I will do my task when it comes to me during the passage of time. 3. I will be the change first what I want to see in the world. 4. I will live in the present, for present is the foundation of future. 5. I will stand for truth; fight for truth; and hoist the flag of truth irrespective of whatever may come in the path of truth. 6. I will do the drills both for the mind and body for achieving healthy mind and healthy body.7. I will practise Rajayoga to be a person of good character, a *karma yogi* and reach my final destination and ultimate destiny. 8. I will try my best to lead a values-and-spirituality-based life. **Dr. B.K. Loganathan,** Principal, C.I.T., Abu Road, offered vote of thanks to all. **B.K. Anuradha,** Executive Member, Education Wing, Mumbai, anchored the session well, highlighting theme of this session, conducting it to the satisfaction of all. During the program a cultural dance was presented by Raju and Group. ❖

Dr. B.K. Yudhisthir,
Shantivan

Reception Session

Open Session-1

Open Session-2

Open Session-4

Valedictory Session

Report of The University & College Educators' Conference on

Values and Spirituality for Excellence in Life

The University & College Educators' Conference on **"Values and Spirituality for Excellence in Life"** organized by Education Wing, Rajayoga Education & Research Foundation (RE &RF) and Prajapiata Brahma Kumaris Ishwariya Vishwa Vidyalaya which commenced on May 27, 2016 at Academy for a Better World, Gyan Sarovar, Mount Abu, Rajasthan, concluded on May 31, as reported by **Dr. B.K. Yudhisthir.**

The conference included reception session, inaugural session, five open sessions, talk show and valedictory session with different sub-themes revolving around the major theme of "Values and Spirituality for Excellence in Life".

The reception session started with the welcome of the revered guests and delegates bouquets and badges, song and dance as well as welcome speech. **B. K. Mukesh Agarwal** welcomed the guests and delegates including those seated on the dais by stating their qualifications, designations and the roles they play in their organizations, and saying that the beautiful Natural Atmosphere in the hilly and valley backdrop of the Gyan Sarovar Complex was also welcoming them with the fragrance of sweet flowers, greenery and soft blowing of the cool breeze.

The guests-speakers on the dais discussed elaborately on the thematic topic on "Values and Spirituality for Excellence in Life". **B. K. Ravikala,** Executive member, Education Wing stated that the slogan of this organization is "Self-transformation leads to world-transformation". She finally wished that the guests and delegates would practise Rajayoga here and go to their fields of action with the new and changed angle of vision. **Dr. Keshubhai Desai,** eminent Indian Novelist and activist, Gandhinagar while praising the Brahma kumaris said, "While the world is moving towards destruction, here in the Brahma Kumaris Organization an arms-and-weapons-less spiritual revolution is going on. He highly eulogized the Brahma Kumaris Organization and its values-and-spirituality-based inmates and environs, saying with great emotional emphasis, "If heaven is anywhere, it is only here, it is only here." **Dr. Tapan Panda,** Dean, School of Management, BML University, being quite influenced by the natural and meditative atmosphere of Gyan Sarovar Complex, said that he felt here as if he had moved to a different world. He was of the view that material success is not success in true sense of the term, because many money achievers are now quite restless. "We need 'spiritual awakening'; we need to move from 'knowing and doing" to 'being'; we need to move from 'parallel level to vertical level", he added. **Rajayogini B.K. Shielu,** Senior Rajayoga Teacher & Headquarter Co-ordinator, Education Wing, appealed to all teachers of the Universities to develop excellence first in themselves through inculcation of values and spirituality and practice of Rajayoga meditation, and then inspire others for excellence.

In the inaugural session **Dr. B.K. Harish Shukla,** Nationala Co-ordinator, Education Wing welcomed the guests and delegates, and commenting on the present education based on materialism, said that today students even after getting 90% marks are committing suicide,

whereas the spiritual education imparted by Brahma Kumaris leading to God and to achieve the deity hood. **Dr. B.K. Pandiamani,** Director, Distance Education Programme narrated about various courses now running in 11 languages, saying the Brahma Kumaris Organization has taken an unprecedented step in making people experience values and spirituality practically in their life.

Dr. Yashpal Singh, Director Somany (PG) Institute of Technology & Management, Rewari, appealed to the University & College Educators to suggest to UGC to include the certain courses of Brahma Kumaris in the syllabus, which can play a pivotal role in betterment of education and transformation of society, so that forthcoming generation will get the true value-based education which we could not. **Rajayogini B.K. Pushpa,** Senior Rajayoga Teacher, New Delhi said that Rajayoga meditation is the powerful way to strengthen the soul; we can solve all problems through it as it works as a shield to secure us from stress, tension and anxiety. **Prof. M. Hemabindu,** Chairperson, PG Council, North Odisha University, Baripada, said that spiritual education is the need for change and improvement of our thought, behaviour and lifestyle patterns.**Mrs. Divya Khosla Kumar,** Bollywood Actress, Producer & Director, Mumbai,said that her personal success in the Bollywood world happened because she remembered God before anything she did. **B. K. Mruthyunjay,** Vice-Chairperson, Education Wing, said that values and spirituality are the two sides of the same coinHe also said that the mother of all pollutions is the mental pollution to eradicate which Rajayoga practice is necessary , and it will make men angels by freeing them of pollution. If Bharat will change, the whole world will change.

In the Valedictory Session, highlighting on the topic “Spiritual Wisdom for Changing Times” **Dr. Ashok Karande,** Chairman, Board of Studies in English, Shivaji University, said that education offered in other universities and Brahma Kumaris Spiritual University is different. The latter is doing a great service to the humanity by creating better human beings. **Dr. Tapan Panda,** Dean, School of Management, BML University, New Delhi, said that establishment of 'thought laboratory' is a powerful thought which will go a long way in developing values and spirituality in people of the world. **Dr. Kuldeep Singh,** Director, Universal Group of Colleges, Mahuwa, Rajastahn, narrated his value-oriented personal life and described how a *Sadhu Baba* advised a child to give up sweet through his own change by renouncing of sweets. **B.K. Mruthyunjaya,** Vice Chairperson, Education Wing, said that really God is the hope of mankind. Teacher is also the hope of mankind. Now, God has come as the Supreme Teacher to direct all of us to "be holy and be yogi". **Dr. B. K. Yudhisthir,** Former Principal, Mudo Tamo Memorial College, Ziro, Arunachal Pradesh reported about the proceedings of various sessions and read out the resolutions: 1. As a child of God I will play my role as a perfect actor in this Eternal World Drama (EWD) of life. 2. I will do my task when it comes to me during the passage of time. 3. I will be the change first what I want to see in the world. 4. I will live in the present, for present is the foundation of future. 5. I will stand for truth; fight for truth; and hoist the flag of truth irrespective of whatever may come in the path of truth. 6. I will do the drills both for the mind and body for achieving healthy mind and healthy body. 7. I will practise Rajayoga to be a person of good character, a *karma yogi* and reach my final destination and ultimate destiny. 8. I will try my best to lead a values-and-spirituality-based life.

B.K. Sushma, Executive Member, Education Wing, through her soft commentary and gave the realization of the reunion of the soul and Supreme Soul extraordinarily well. **B.K. Mamta,** Executive Member, Education Wing anchored the stage well, highlighting theme of the session, conducting it and appreciating the guests on the dais with her choicest words that touched the hearts of one and all present in the Gyan Sarovar auditorium.

Dr. B.K. Yudhisthir,
Shantivan

नौनिहालों को मिली जीवन जीने की शिक्षा

37वाँ अखिल भारतीय बाल व्यक्तित्व विकास शिविर

आबू रोड, शांतिवन। राजस्थान की भीषण गर्मी में शांतिवन के शांत एवं मूल्यों से सराबोर, दिल को ठंडक देने वाले असीम सुखदायी वातावरण में नौनिहालों में नैतिक मूल्यों का विकास करने के उद्देश्य से ब्रह्माकुमारीज़ के शिक्षा प्रभाग द्वारा **'37वाँ अखिल भारतीय बाल व्यक्तित्व विकास शिविर'** का दीप प्रज्ज्वलित कर विधिवत उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर पूरे देश से लगभग 2000 नौनिहालों ने भाग लिया।

संस्था की संयुक्त मुख्य प्रशासिका **दादी रतनमोहिनी जी** ने कहा कि आप बच्चे यहां ईश्वर द्वारा स्थापित किए हुए विश्व विद्यालय में आए हो। इस विद्यालय में जो शिक्षा हमें बचपन में मिली थी वही शिक्षा हमारा आज तक मार्गदर्शन कर रही है।

बाल्यकाल में यह जान लिया था कि परमात्मा सत्य है। सत्यता की शक्ति से अनेक बुराइयां सहज समाप्त हो जाती हैं। सत्यता की शक्ति हमें महान बनाती है। यदि हमें सर्व का प्यार पाना हो तो दिल से सच्चे होकर रहना चाहिए।

बाल्यकाल में मूल्य और संस्कारों की शिक्षा

संस्था के महासचिव **ब्र.कु. निर्वैर** ने कहा कि आने वाली युवा पीढ़ी को नैतिक मूल्यों से संवारना और उन्हें श्रेष्ठ संस्कारों की शिक्षा देना वर्तमान समय की मुख्य आवश्यकता है। यह शिक्षा हम उन्हें जीवन के प्रारंभिक वर्षों में ही दे सकते हैं। कहा भी जाता है- बाल्यकाल का समय कच्ची मिट्टी के समान होता है उसे हम जिस रूप में ढालना चाहें, ढाल सकते हैं। जीवन के इन प्रारंभिक वर्षों में दी गई संस्कारों और मूल्यों की शिक्षा को बच्चे सहज ही अपना लेते हैं जो उनके सफल जीवन का आधार बन जाता है।

आंतरिक और बाह्य स्वच्छता से विश्व को मिलेगा संदेश

नगरपालिका आबू रोड के अध्यक्ष **सुरेश सिंदल** ने कहा कि हम अपने छोटे-छोटे कार्यों से देश की ऊर्जा और धन की बचत कर सकते हैं। हमारी आंतरिक और बाह्य स्वच्छता से ही विश्व को स्वच्छता का संदेश मिल जाएगा। आप बच्चे देश के कर्णधार हो, कभी भी सत्यता के मार्ग से विचलित मत होना।

ग्राम विकास प्रभाग की अध्यक्षा **ब्र.कु. मोहिनी बहन** और वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका **ब्र.कु. मुन्नी बहन** ने कहा कि हमें सदा बड़ों का आज्ञाकारी बनकर सच्चाई और सफाई से चलना चाहिए तभी हमें भगवान की मदद मिलती है।

शिक्षा प्रभाग के संयोजक **डॉ. ब्र.कु. हरीश शुक्ल** ने कहा कि हमारा बचपन खेल-खेल में न बीत जाए बल्कि इस उम्र में हमें मूल्यों और संस्कारों की शिक्षा ग्रहण करनी चाहिए।

इन्होंने भी दी शुभकामनाएं

इस कार्यक्रम को शांतिवन के प्रबंधक **ब्र.कु. भूपाल,** मूल्य और आध्यात्मिक शिक्षा कोर्स के निदेशक **डॉ. ब्र.कु. पांड्यामणि, डॉ. आर.पी. गुप्ता** ने भी बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के प्रति अपनी शुभकामनाएं व्यक्त कीं। मधुर वाणी ग्रुप ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया। उनके गीत के बोल थे- बच्चों से बहार है, गुलशन ये गुलज़ार है...। नोयडा से आई हुई **कु. याशिका** ने भारती ये पथ निहारती... गीत के बोल पर स्वागत नृत्य प्रस्तुत किया।

इस शिविर में बच्चों के मानसिक एवं शारीरिक विकास के लिए खेलकूद का आयोजन किया गया। मूल्यनिष्ठ सांस्कृतिक कार्यक्रम और पिकनिक से नौनिहालों में उमंग-उत्साह बढ़ा।

डॉ. ब्र.कु. ममता
मेहसाना

विभिन्न स्थानों पर हुई शिक्षा प्रभाग की सेवाओं की झलकियां

पोखरा (नेपाल)

उदयपुर (राजस्थान)

कोच्चि (केरल)

कानपुर (उत्तर प्रदेश)

शान्तिवन (राजस्थान)

कानपुर (उत्तर प्रदेश)

शान्तिवन (राजस्थान)

झोझूकलन (हरियाणा)

विभिन्न स्थानों पर हुई शिक्षा प्रभाग की सेवाओं की झलकियां

छोटा उदयपुर (गुजरात)।

शान्तिवन (राजस्थान)

सम्बलपुर (उड़ीसा)

अम्बाजी (राजस्थान)

अम्बाजी (राजस्थान)

शान्तिवन (राजस्थान)

वल्लभगढ़ (हरियाणा)

शान्तिवन (राजस्थान)

1. कोयम्बटूर (तमिलनाडु)। आर.वी.एस. फाउण्डेशन के चेयरमेन डॉ. के.वी. कुप्पुस्वामी ने ब्र.कु. मृत्युंजय को **"World Ambassador of Value Education and Environmental Protection"** अवार्ड प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर डॉ. जी. भक्तवत्सलम्, ब्र.कु. कोठारी सहित सैकड़ों भाई-बहनें उपस्थित थे। यह अवार्ड समाज में मूल्य शिक्षा के क्षेत्र में ब्रह्माकुमारीज़ के शिक्षा प्रभाग द्वारा किए जा रहे योगदान का प्रतिफल है। ब्र.कु. सुप्रिया ने 'थॉट लेब कॉन्सेप्ट' की बहुत सुंदर तरीके से प्रेजेन्टेशन दी। **2. मुम्बई (महाराष्ट्र)।** मुम्बई विश्वविद्यालय के कुलपति श्री संजय देशमुख को पुष्पगुच्छ प्रदान कर सम्मानित करते हुए ब्र.कु. मृत्युंजय। साथ हैं डॉ. ब्र.कु. पांड्यामणि, ब्र.कु. पायल, ब्र.कु. भारती तथा अन्य। **3. भरूच (गुजरात)।** तीन दिवसीय रेसीपी ट्रेनिंग कार्यक्रम का उद्घाटन करने के पश्चात् डॉ. हरीश शुक्ल, डॉ. प्रेम मसंद, डॉ. सीमा, डॉ. ममता, ब्र.कु. शिविका, ब्र.कु. नंदिनी तथा अन्य। इस ट्रेनिंग में गुजरात ज़ोन के 70 समर्पित बहन-भाई ने भाग लिया।

Education Wing HQs. Office
B.K. Mruthyunjaya, Vice-Chairperson, Education Wing
Brahma kumaris, Value Education Centre
Anand Bhawan, 3rd Floor, Shantivan, **Abu Road-307510 (Raj.)**
E-mail: educationwing@bkivv.org
Education Wing, National Co-ordinators Office
B.K. Dr. Harish Shukla, National Coordinator, Education Wing
Sukh Shanti Bhawan, Kankaria, **Ahmedabad-380022 (Guj.)**
Mob. No. : +91 9427638887 **Fax :** 079-25325150
E-mail: harishshukla31@gmail.com

To,

1. कोयम्बटूर (तमिलनाडु)। आर.वी.एस. फाउण्डेशन के चेयरमेन डॉ. के.वी. कुप्पुस्वामी ने ब्र.कु. मृत्युंजय को **"World Ambassador of Value Education and Environmental Protection"** अवार्ड प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर डॉ. जी. भक्तवत्सलम्, ब्र.कु. कोठारी सहित सैकड़ों भाई-बहनें उपस्थित थे। यह अवार्ड समाज में मूल्य शिक्षा के क्षेत्र में ब्रह्माकुमारीज़ के शिक्षा प्रभाग द्वारा किए जा रहे योगदान का प्रतिफल है। ब्र.कु. सुप्रिया ने 'थॉट लेब कॉन्सेप्ट' की बहुत सुंदर तरीके से प्रेजेन्टेशन दी। **2. मुम्बई (महाराष्ट्र)।** मुम्बई विश्वविद्यालय के कुलपति श्री संजय देशमुख को पुष्पगुच्छ प्रदान कर सम्मानित करते हुए ब्र.कु. मृत्युंजय। साथ हैं डॉ. ब्र.कु. पांड्यामणि, ब्र.कु. पायल, ब्र.कु. भारती तथा अन्य। **3. भरूच (गुजरात)।** तीन दिवसीय रेसीपी ट्रेनिंग कार्यक्रम का उद्घाटन करने के पश्चात् डॉ. हरीश शुक्ल, डॉ. प्रेम मसंद, डॉ. सीमा, डॉ. ममता, ब्र.कु. शिविका, ब्र.कु. नंदिनी तथा अन्य। इस ट्रेनिंग में गुजरात ज़ोन के 70 समर्पित बहन-भाई ने भाग लिया।

Education Wing HQs. Office
B.K. Mruthyunjaya, Vice-Chairperson, Education Wing
Brahma kumaris, Value Education Centre
Anand Bhawan, 3rd Floor, Shantivan, **Abu Road-307510 (Raj.)**
E-mail: educationwing@bkivv.org
Education Wing, National Co-ordinators Office
B.K. Dr. Harish Shukla, National Coordinator, Education Wing
Sukh Shanti Bhawan, Kankaria, **Ahmedabad-380022 (Guj.)**
Mob. No. : +91 9427638887 **Fax :** 079-25325150
E-mail: harishshukla31@gmail.com

To,